COURSES OF STUDY
for
B.A./B.Sc./B.Com (General/Honours) PART I Examination
COMPULSORY SUBJECTS

(Identical syllabi for both General & Honours Courses for all faculties)

अनिवार्य हिन्दी रचना

प्रथम पत्र

(हिन्दी–भाषा–भाषी विद्यार्थियों के लिए)

[बी0ए0, बी0एससी0 एवं बी0कॉम0 (प्रतिष्ठा तथा सामान्य) के लिए]

समय– तीन घंटे पूर्णांक–100

अंक विभाजन

(क)	निर्धारित पाठ्य पुस्तक से पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5×1= 05
(ख)	निर्धारित पाठ्य पुस्तकों से दो परिचायत्मक प्रश्न	2×15 = 30
(ग)	पाठ्य पुस्तक 'पद्य–मंजरी' से एक अर्थ लेखन	1×5 =05
(घा)	प्रयोजनमुलक हिन्दी से एक सैद्धान्तिक प्रश्न	1×15 =15
(ड.)	व्यावहारिक हिन्दी रचना से दो प्रश्न :	
	(1) संक्षेपण अथवा पत्र लेखन	1×10 =10
	(2) मुहावरे अथवा लोकोक्तियाँ	5×1 =05
(च)	हिन्दी व्याकरण – संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय, लिंग और कारक से तीन प्रश्न	3× 5 = 15
(छ)	निबन्ध – एक प्रश्न	1×15 =15
		100

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :–

(क) पद्य मंजरी – सं0 – डॉ0 टी0 निर्मला – राजकमल प्रकाशन
डॉ0 एस0 मोहन नई दिल्ली, पटना

केवल निम्नांकित अंश –

प्राचीन काव्य – समस्त (कबीर के दोहे, तुलसी के दोहे, सूर के पद, रहीम के दोहे, बिहारी लाल के दोहे), आधुनिक काव्य– हरिऔध–कर्मवीर गुप्त–एकता , प्रसाद–भारतवर्ष, निराला – जागो फिर एक बार, दिनकर – भीष्म, काशर – शय्या से उपदेश, नागार्जुन – पाषणी

(ख) कथा मंजरी – सं0 – डॉ0 पुष्पपाल सिंह

केवल निम्नांकित अंश –

प्रसाद–विरामचिन्ह, प्रेमचन्द–मृतक–भोज, भगवतीचरण वर्मा– मुगलों ने

StudyRaw.com

सल्तनत वख्श दी, यशपाल–समय, फणीश्वरनाथ रेणु–सम्वदिया, मोहन राकेश – क्लेम

(ग) **प्रयोजनमूलक हिन्दी – आधार ग्रंथ –**

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी – दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

केवल निम्नांकित अंश –

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – अभिप्राय और व्यवहार क्षेत्र
2. राष्ट्रभाषा और राजभाषा
3. पत्र–लेखन : विशेषताएँ और प्रकार
4. टिप्पणी लेखन – सामान्य परिचय, विशेषताएँ।

सहायक ग्रन्थ –

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ0 माधव सोनटक्के
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी – मानक हिन्दी ओंकार नाथ वर्मा
3. हिन्दी निबन्ध – सं0 रामदरश मिश्र, रामस्वरूप शास्त्री
4. हिन्दी व्याकरण मीमांसा – काशीराम शर्मा

StudyRaw.Com